



खेल बजट में फिर खींचे हाथ

खेल प्रतिभाओं को सहूलियत देने के लिए बजट में कुछ खास नहीं

खेलों के लिए 2596.14 करोड़ रुपये का बजट पिछले वर्ष के बजट से 8.16 प्रतिशत कम है। खिलाड़ियों ने बताया कि राष्ट्रीय खेल महासंघों को मिलने वाली सहायता राशि में इजाफा हुआ है, इस साल एनएसएफ का बजट 280 करोड़ है जबकि पिछले वित्त वर्ष में 245 करोड़ था। इस साल टोक्यो ओलंपिक का आयोजन होना है। विश्वज्वा खेलों के लिहाज से यह साल अहम है। फिर भी स्टेडियमों के नवीनीकरण और रखरखाव का बजट घटा दिया गया है। खिलाड़ी सुनेद अंसारी, रोहित चौहान, सूर्याश, जयपल कुम्वर, सार्थक, रुद्र और अभिनव ने कहा कि ओलंपिक पर सरकार ध्यान देती है लेकिन खिलाड़ी तो निचले स्तर से ही राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचते हैं, उन पर कब ध्यान दिया जाएगा। खेलों हॉटिया का बजट को बढ़ाने की जरूरत है। खिलाड़ियों को ग्रामीण स्तर पर प्रोत्साहित नहीं किया जाएगा तो वे प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर तक कैसे पहुँचेंगे। उन्होंने कहा कि खेलों के लिहाज से एक बार फिर निराश करने वाला बजट आया है।

खिलाड़ियों की बात